९. अनमोल वाणी

– संत कबीर

– भक्त सूरदास

जैसा भोजन खाइए, तैसा ही मन होय ।
जैसा पानी पीजिये, तैसी बानी होय ।

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय ।
औरन को शीतल करै, आपौ शीतल होय ।

बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय,
जो दिल खोजा आपना, मुझसा बुरा न कोय ।

(संत कबीर)

× ×   × ×

मैया, कबहिं बढ़ैगी चोटी ?
किती बार मोहिं दूध पियत भई, यह अजहूँ है छोटी ।।
तू जो कहति बल की बेनी ज्यौं, ह्वै है लाँबी-मोटी ।
काँचौ दूध पियावत पचि-पचि देत न माखन-रोटी ।
सूर स्याम चिरजीवौ दोउ भैया, हरि-हलधर की जोटी ।।

(भक्त सूरदास)

—०—

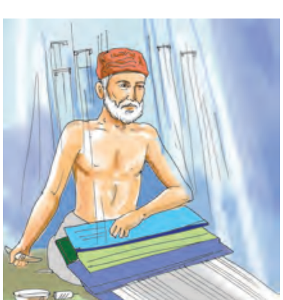

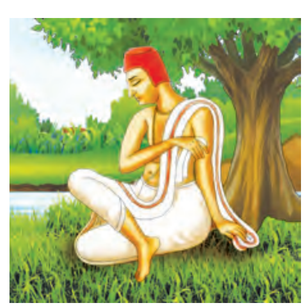

परिचय

संत कबीर

जन्म : लगभग १३९८ (उ.प्र.)
मृत्यु : लगभग १५१८ (उ.प्र.)
परिचय : भक्तिकालीन निर्गुण काव्यधारा के संत कवि कबीर मानवता एवं समता के प्रबल समर्थक थे ।
प्रमुख कृतियाँ : 'साखी', 'सबद, 'रमैनी' इन तीनों का संग्रह 'बीजक' नामक ग्रंथ में किया गया है ।

भक्त सूरदास

जन्म : लगभग १४७८, आगरा (उ.प्र.)
मृत्यु : १५६३ से १५९१ के बीच
परिचय : सूरदास जी वात्सल्य रस के सम्राट माने जाते हैं । आपका नाम कृष्णभक्ति धारा को प्रवाहित करने वाले कवियों में सर्वोपरि है ।
प्रमुख कृतियाँ : 'सूरसागर', 'सूरसारावली', 'साहित्यलहरी', 'नल-दमयंती' आदि ।

पद्य संबंधी

यहाँ संत कबीरदास ने अपने दोहों में मनुष्य को सद्गुणों को अपनाकर आगे बढ़ने को कहा है ।

भक्त सूरदास रचित यह पद 'सूरसागर' महाकाव्य से लिया गया हैं । इसमें श्रीकृष्ण की बालसुलभ लीलाओं का वर्णन किया है ।

शब्द वाटिका

कबहिं = कब
चोटी = चुटिया, बेणी
अजहूँ = अब तक
काँचौ = कच्चा
पचि-पचि = बार-बार
चिरजीवौ = लंबी आयु
दोउ = दोनों
हलधर = बलराम

✲ सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :-

(१) कृति पूर्ण करो :

ऐसी वाणी बोलनी है जिससे
↓
[ ]
↓
[ ]

(२) कविता में इस अर्थ में आए शब्द लिखो :

१. ठंडा - ....
२. कोई - ....
३. बलराम - ....
४. मक्खन - ....

(३) कृति पूर्ण करो :

श्रीकृष्ण द्वारा चोटी के संदर्भ में की गई बातें
↓
[ ]
↓
[ ]

(४) 'भोजन का प्रभाव'- टिप्पणी लिखो ।

कल्पना पल्लवन

पानी, वाणी, दूध इन शब्दों का उपयोग करते हुए कोई कविता लिखो ।

भाषा बिंदु

पाठों में आए अलग-अलग काल के वाक्य ढूँढ़कर उनका अन्य कालों में परिवर्तन करो ।

उपयोजित लेखन

'आगे कुआँ पीछे खाई' कहावत का अर्थ लिखकर उससे संबंधित कोई प्रसंग लिखो ।

मैंने समझा

स्वयं अध्ययन

'हाफ मैराथन' में सफलता प्राप्त करने के लिए कौन-कौन-सी तैयारियाँ करोगे, लिखो ।

IYPPP3